

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

Suggestions for DSE-01
For 2024

MAR ■ MON

Week - 12 ■ (078-288)

18

Short Questions. Marks: 02. Date - 29/12/24
Boalia.

1) का नाम विग्रहसंज्ञा?

Ans:- वादविधिः द्विविधः, यथा - अक्रायु संज्ञाया
विग्रहसंज्ञा इति। तत्र यस्मिन् वाद कश्चन
वादी तस्य प्रतिवादिनः जनस्य अथवा तस्याः
परीक्षार्थं वाद अस्ति इति अर्थः इति,
असौ वादः विग्रहसंज्ञा इति कथ्यते।

2) अनुमाने विपक्षः किम् उदाहरणम्?

उ:- निश्चितसंज्ञा निश्चितसाधारणवान्
विपक्षः। यथा - 'पर्वतः वक्रिमान् धूमः'
इत्यनुमाने महात्तमः विपक्षः उदाहरणम्,
तत्र निश्चितरूपेण वक्रः अस्ति।

3) का गुणः?

उत्तरम् → यत्र धूमस्तत्र वक्रिविधि आश्चर्यनियमः
गुणः। हेतुसाधनः निमित्तः अनुमाने
सम्बन्धः एव गुणः।

4) कर्तृकः?

उत्तरम् → तर्कः एकः अयमर्थानुवर्तः।
वाप्यावापनं वापकारोपकर्तृकः।

यथा - यदि वक्रिः न आस, तर्हि धूमोऽपि
न आस इति।

5) कः संज्ञाः? → एकस्मिन् धर्मान्

Learning sleeps and snores in libraries, but wisdom is everywhere, wide awake, on tiptoe. - Josh Billings

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

विरुद्धनामाधर्मीकमिच्छाकानः संशयः। यथा -
 'हानुवा' सुकृष्ण वा।

6) "पर्वता रक्षिमान् धूमः" इत्यनुमाने कः
 पक्षः? अत्र कस्य हेतुः?

उत्तरम् → "पर्वता रक्षिमान् धूमः" इत्यनुमाने
 पक्षः अस्ति पर्वतः। अत्र हेतुवृत्ति
 धूमः।

7) 'अर्यः अम्यः वाद्यद्वय' इत्यनुमाने किं
 आश्रयः?

Ans: अत्र अम्यद्वयः आश्रयः।

8) ग्राह्ये हलस्य एकमुदाहरणं ददातु।

Ans:- अतिप्रामाण्यवत् अमुकस्यार्थवत् एकम्
 दूषणं हलम्। उद् यथा - 'नवकश्चलवान्
 अयं जनः।' इति वाक्यात् अतिवर्दी वृत्त्यात्
 'नवस्यश्चकश्चलवान् अयं जनः।' पर्वत
 यादिनः अतिप्रामाण्यः आसीत् 'नूतनकश्चलवान्
 अयं जनः' इति।

9) किं नाम आश्रयानुमानम्?

Ans: अनुसिद्धिकान्त्या कर्तव्य अनुमानम्।
 उद् द्विविधम्। यथा - 'आश्रयः पर्वतः'।

Necessity is not an established fact, but an interpretation. - Friedrich Nietzsche

Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31	

তত স্বার্থানুমানঃ স্বয়ং অনুমানহুঃ। যদা
কচ্চন জনঃ স্বয়ং হু যৌদর্ভান্ন ধূমগ্নোঃ
স্বাপ্তিঃ শ্রীত্বা পর্বতসমীপঃ গতঃ ধূমঃ পশ্যন্
পূর্বস্বাপ্তিঃ স্মৃষ্ট্বা 'বাক্ষ্যমাণ্যধূমবান্ অগ্নিঃ পর্বতঃ'
ইতি পরামর্শদ্বারা পর্বতে বহ্নিমান্
ইতি জ্ঞানং লভতে, তদা তত স্বার্থানুমানমিতি
কথ্যতে।

10) পরামর্শস্য কিং ফলম্?

Ans: পরামর্শস্য ফলং হি অনুমিতিঃ।

11) তর্কসংগ্রহঃ কেন বহিঃ? তর্কদীপিকা
তর্কদীপিকা কেন বহিঃ?

Ans:- তর্কসংগ্রহঃ অন্তঃভূতেন বহিঃ।

তর্কদীপিকা অন্তঃভূতেন এব বহিঃ।

12) কথ্য কতিবিধাঃ? কাম্ব তাঃ?

Ans: কথ্যঃ ত্রিবিধাঃ। তাঃ যথা - বাদঃ,
জল্পঃ, বিতণ্ডা চেতি।

13) -কিং নাম নিগমনবাক্যম্?

Ans:- স্বার্থানুমানেন পঞ্চময়সাঃ সত্ত্বি।

তত অন্তিমঃ অব্যবঃ সত্ত্বি নিগমনম্।

নিগমনবাক্যস্য অকারঃ বোতি 'তস্মাৎ
পর্বতে বহ্নিমান্' ইত্যাদিঃ। নিগমনবাক্যেন

Obstacles are those frightful things you see when you take your eyes off your goal.-Henry Ford

21

MAR • THU

Week - 12 (08-285)

March 2024

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

ସାହିତ୍ୟତତ୍ତ୍ୱାଦିନାମଃ ଦୂରୀଭାବି ଅନୁମିତିଃ ଚ
ଉପାଦ୍ୟତେ ।

14) କଃ ଜନ୍ମଃ ?

Ans: ~~ଅନୁ~~ ଉକ୍ତମତ୍ୟାମ୍ ଉଦ୍ୟୋଗସଂସ୍ଥାପନା
ବିଭିନ୍ନାମୋଃ କଥା ଜନ୍ମଃ ।

15) କା ନାମ ବିଦ୍ୟା ?

Ans: ଶାସ୍ତ୍ରୀୟାଲୋଚନାମତ୍ୟାମ୍ ଧ୍ୟାନସଂହାରଣା
-ଶିଳା କଥା ବିଦ୍ୟା ।

16) କା ନାମ ଆତ୍ମୀୟିକୀ ?

Ans: ~~ହିନ୍ଦୁ~~ ନାମ ଅତ୍ମୀୟିକା । ଅବନୀତ ପରମ୍
ହିନ୍ଦୁ ଅର୍ଥାତ୍ ସେନାମାଦିହିତ୍ୱେ ଆତ୍ମାମନନା
ଅତ୍ମୀୟା । ଆତ୍ମୀୟିକୀ ନାମ ଗ୍ରାମ୍ୟଶାସ୍ତ୍ରମ୍ ।
ଅଂଶାଦ୍ୟାୟଃ ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ପଦାର୍ଥଃ ଆତ୍ମୀୟିକୀ
-ଶାସ୍ତ୍ର ବିଶିଷ୍ଟତ୍ୟା ଆଲୋଚିତାଃ । ଅନୁମତ୍ୟା
ଶାସ୍ତ୍ରମେବ ଆତ୍ମୀୟିକୀ । ଅନୁ + ହିନ୍ଦୁ + ଶାସ୍ତ୍ର +
ତ୍ୱିନ୍ = ଆତ୍ମୀୟିକୀ ।

17) ସ୍ୱାଶ୍ଚକ୍ଷୁହାହୁନମେକଃ ଅସଂଖ୍ୟ ।

Ans: ହେତୁଆଧ୍ୟାୟୋଃ ନିମ୍ନୋକ୍ତମତ୍ୟାମ୍ ଅସଂଖ୍ୟଃ
ଏବ ସ୍ୱାଶ୍ଚିଃ । ମଥା - 'ଅସଂଖ୍ୟ' ଯାତ୍
ଅଭିହିତ୍ୟା ଅସଂଖ୍ୟାତ୍ ପଦେଃ । 'ହିନ୍ଦୁ'

We don't see things as they are, we see them as we are. - Anais Nin

14N0N1

Notes

Appointment

Meeting

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

‘मत्र अस्मद्वत्तं तत्र अदिष्टियद्वम्’ इति
ग्राह्यः उदाहरणम्।

18) लिङ्गम् कतिविधम्? तेषां नामानि लिख।

Ans: लिङ्गः त्रिविधः। तेषां नामानि
मया - अस्मद्वत्तिरुकि, केवलान्वयि,
केवलव्यतिरुकि णि।

19) किं नाम निग्रहप्रकारम्? तस्य कतिविधम्?

Ans: यदि नोपपन्नमस्तु: निग्रहप्रकारम्। तस्य
निग्रहप्रकारम्, द्वारिङ्गप्रकारम्।

20) अत्र: तदेव अनुमिते: करणम् केन नाम्ना
अदिहितम्?

Ans: अत्र: तदेव अनुमिते: करणम्
लिङ्गप्रकारम् इति नाम्ना अदिहितम्।

21) अत्र: तदेव अनुमिते: कः सिद्धानुपपत्तिः?

Ans: अत्र: तदेव अनुमिते: प्रामाणिकत्वेन अनुपपत्तिः
अत्र: सिद्धानुपपत्तिः।

22) ‘मन्त्राः क्रान्ति’ इत्यत्र किं लक्षणम्?

Ans: ‘मन्त्राः क्रान्ति’ इत्यत्र लक्षणम्
अत्र। लक्षणम् अत्रान्वयि शब्दम्
लक्षणम् पठितम् मन्त्रार्थम् गृह्यति।

Nobody can give you wiser advice than yourself. - Marcus Tullius Cicero

Notes

Appointment

Meeting

—X—

[ANON]